उड़ान

मुक्त एवं दूरस्थ शिक्षा की उड़ान
घर घर शिक्षा की उड़ान
डिजिटल मीडिया के सहयोग से उच्च शिक्षा की उड़ान

www.uou.ac.in

जनवरी - जून 2025 (सयुक्तांक)

सपांदन मडंल

संरक्षक : प्रो.ओ.पी.एस.नेगी, कुलपति

प्रबंध संपादक : श्री खेमराज भट्ट, कुलसचिव

संपादक: प्रो. राकेश रयाल

उप संपादक : डॉ. शशांक शुक्ल

सहायक संपादक : डॉ. राजेंद्र क्वीरा

उत्तराखण्ड मुक्त विश्वविद्यालय की त्रैमासिक गृह पत्रिका।

कुलपति की कलम से...

प्रिय पाठकों!

'उड़ान का यह अंक प्रस्तुत करते हुए मुझे हर्ष का अनुभव हो रहा है| विश्वविद्यालय के लिए विगत कुछ माह बहुत महत्वपूर्ण रहे हैं| इस अवधि में विश्वविद्यालय ने अनेक नये मानदंड स्थापित किये हैं| यह विश्वविद्यालय के लिए अत्यंत संतोष का विषय है|

विश्वविद्यालय भारतीय ज्ञान परम्परा पर आधारित एक स्वतंत्र विद्याशाखा खोलने की दिशा में प्रयत्नशील है| इस संबंध में 26 विषयों पर पाठ्यक्रम निर्मित कर लिए गए हैं| हम जानते हैं कि हमारी औपनिवेशिक दृष्टि ने यह भ्रम निर्मित किया कि सब कुछ पश्चिम निर्मित है| इस धारणा को तोड़ने का कार्य बेहद आवश्यक है| भारतीय ज्ञान परम्परा यह मानती रही है कि ज्ञान शाश्वत चेतना के साथ ही समाज-सापेक्ष संरचना भी है। एक तरह से 'मूल' और 'विस्तार' दोनों। मूल जहाँ इसकी शाश्वतता निर्धारित करता है, वहीं विस्तार इसकी समाज-सापेक्षता। अर्थ यह है कि ज्ञान गत्यात्मक प्रत्यय है। यह कोई स्थिर दर्शन या सिद्धान्त नहीं है, अपितु मानवीय सभ्यता-संस्कृति की आवेगशीलता के सापेक्ष निरन्तर परिवर्तित-परिवर्द्धित प्रत्यय है। यही कारण है कि एक ओर यह परम्परा का अंग (अतीत/इतिहास) बनता है तो दूसरी ओर विज्ञान (सामाजिक अनुषंग एवं तत्वभूत पदार्थ) का। इस प्रकार ज्ञान आरोहणमूलक संस्कृति है। विश्वविद्यालय द्वारा भारतीय ज्ञान परम्परा का यह पाठ्यक्रम भारत की शाश्वत-गतिमान चेतना का ही प्रतिरुप है| उत्तराखण्ड मुक्त विश्वविद्यालय ज्ञानात्मक औदात्य की परम्परा को निरन्तर विकसित करता रहा है। इसके शिक्षक अधिगम, पाठ्यक्रम, शैक्षिक कार्यक्रम इस तरह नियोजित किये जाते रहे हैं कि छात्रों के भीतर ज्ञानात्मक चेतना का सैद्धान्तिक एवं व्यावहारिक अनुप्रयोग दोनों एक साथ निर्मित हो सके।

उत्तराखण्ड मुक्त विश्वविद्यालय राष्ट्रीय मूल्यांकन एवं प्रत्यायन परिषद् (NAAC) के मापदण्डों पाठ्यक्रम पक्ष, शिक्षण अधिगम एवं मूल्यांकन, शोध परामर्श एवं प्रसार, अधिसंरचना एवं अधिगम संसाधन, शिक्षार्थी सहायता सेवायें एवं प्रगति, प्रशासन, नेतृत्व एवं प्रबन्धन, नवाचार एवं उत्तम क्रियायें जैसे मानकों के आधार पर संचालित हो रहा है। दूरस्थ शिक्षा की पद्धति में तकनीक, शिक्षा के प्रसार में न केवल सहायक होता है, अपितु शिक्षा के कथ्य भी निर्धारित करता है। आज का ज्ञान सूचनात्मक हो चला है। इसके स्वरूप में अब शास्त्रीयता की जगह विज्ञान आ गया है। ऐसी स्थिति में दूरस्थ शिक्षा पद्धति के माध्यम से उत्तराखण्ड मुक्त विश्वविद्यालय अपने छात्रों को नये ढंग से शिक्षित कर रहा है।

उड़ान न्यूज़ लेटर का यह अंक विश्वविद्यालय में चल रही अकादमिक गतिविधियों का एक परिचय अवश्य प्रस्तुत करेगा, ऐसा मुझे विश्वास है | उड़ान के इस अंक हेतु मैं इसके सम्पादक मण्डल के सभी सदस्यों को बधाई देता हूँ|

प्रो. ओम प्रकाश सिंह नेगी
कुलपति

संपादकीय

मीडिया की नयी भूमिका

पत्रकारिता, संचार-जनसंचार, मीडिया, न्यू मीडिया, डिजिटल मीडिया, सोशल मीडिया और समय–समय पर पत्रकारिता और मीडिया के ऐतिहासिक विकास के इन सभी पीढ़ियों के तमाम संचार और संवाद माध्यमों का प्रयोग समाज के संचालन, समाज में समन्वयन स्तापित करने में और समाज के विकास के लिए किया जाता रहा है। यह हमारे समाज में युगों से चलता आ रहा है। फिर चाहे सतयुग में देवर्षि नारद मुनि की संवाद और संचार पद्धति व प्रणाली रही हो या त्रेतायुग में श्री हनुमान का सीता जी के पास श्री राम का संदेश पहुंचाना रहा हो या कि द्वापरयुग में महाभारत युद्ध में धृतराष्ट्र को संजय द्वारा युद्ध की सूचना देनी रही हो, ये सब संचार और संवाद की प्राचीन पद्धतियां रही हैं।

यहां कहने का आशय यह है कि हमारी सभ्यता और समाज में संवाद और संचार प्रकिया युगों से रही है, जिसका उपयोग प्रत्येक युग में समन्वय स्थापित करने व समाज के उत्थान व विकास के लिए किया जाता रहा है। भारत के विशेष संदर्भ में, यदि वर्तमान युग की बात करें तो यहां समय-समय पर संचार-जनसंचार के माध्यमों में हुए तकनीकी विकास ने समाज में प्रभावी स्थान बनाया है। भोजपत्रों से शुरू हुई पत्रकारिता आज डिजिटल मीडिया तक पहुंच गई है। पत्रकारिता या जनसंचार माध्यमों की भूमिका हमेशा समाज में जन-जन तक सूचना व जानकारी प्रेषित कर, समाज में संवाद स्थापित करना, सामंजस्य व समन्वय स्थापित करना, समाज का विकास करना इसका मुख्य लक्ष्य रहा है।

मीडिया द्वारा सूचना, जानकारी प्रेषित कर समाज को जागरूक व विकास की बात करें तो समाज के सभी पहलूओं – क्षेत्रों में विकास को आगे बढ़ाने में मीडिया की महत्वपूर्ण भूमिका रही है। इन्हीं में से एक है शैक्षिक विकास। क्योंकि किसी भी समाज के चहुमुखी विकास के लिए उस समाज का शिक्षित होना जरूरी है। शिक्षा के क्षेत्र में आयी क्रांति में मीडिया की भी महत्वपूर्ण भूमिका रही है। आज के आधुनिक और तकनीकी युग की बात करें तो जहां वर्तमान में शिक्षा में समाज को जागरूक करने में मीडिया महत्वपूर्ण भूमिका निभा रही है वहीं शिक्षा के प्रचार-प्रसार में तथा शिक्षा से वंचित, जरूरतमंद तक शिक्षा पहुंचाने में अपना योगदान भी दे रही है।

मुक्त एवं दूरस्थ शिक्षा के लिए मीडिया वरदान स्वरूप है। इस पद्धति में शिक्षण संस्थान एवं शिक्षकों से दूर बैठे छात्रों/शिक्षार्थियों तक शिक्षा/ज्ञान पहुंचाने में जनसंचार के साधन महत्वपूर्ण भूमिका निभा रहे हैं। यह लगता है कि धीरे–धीरे जनसंचार का आधुनिक स्वरूप व साधन दूरस्थ शिक्षा की जरूरत बन जाएंगे। ऑनलाईन शिक्षा भी दूरस्थ शिक्षा का माध्यम बनता नजर आ रहा है। इस डिजिटल युग में डिजिटल मीडिया के तमाम साधनों का प्रयोग करने के लिए जहां उपयोगकर्ता को डिजिटल मीडिया व उपकरणों की जानकारी जरूरी है, वहीं इनके लिए सामग्री तैयार करने, प्रस्तुत करने का व्यावहारिक ज्ञान भी आवश्यक है।

अंतत: यह कहा जा सकता है कि पत्रकारिता एवं जनसंचार माध्यम जन–जन तक संचार व संवाद स्थापित करने से लेकर जन–जन के विकास में उपयोगी हैं। जन व समाज के शैक्षिक विकास में जनसंचार माध्यमों की भूमिका अहम है। हांलाकि इसे और प्रभावी बनाया जा सकता है। खासकर मुक्त एवं दूरस्थ शिक्षा में जनसंचार माध्यम या मीडिया के उपयोग को बेहत्तर बनाने के लिए जहां पत्रकारिता एवं जनसंचार की अवधारणा को समझना आवश्यक है, वहीं जनसंचार माध्यम के नए स्वरूप व साधनों को जानना व समझना भी आवश्यक है। जनसंचार माध्यम (मीडिया) के नए स्वरूप न्यू मीडिया के साधनों को समझ कर, इन साधनों के अनुरूप सामग्री तैयार करना व प्रस्तुत करने की प्रभावी तकनीकी का ज्ञान होना आवश्यक है, जिससे हम मुक्त एवं दूरस्थ शिक्षा को लक्ष्य तक पहुंचाने में न्यू मीडिया के डिजिटल साधनों का बेहत्तर उपयोग कर सकें और दूरस्थ शिक्षा भी प्रभावी रूप से लक्ष्य तक पहुंच सके।

नवम दीक्षान्त समारोह

विश्वविद्यालय का नवम दीक्षान्त समारोह दिनांक 04 जनवरी, 2025 को आयोजित किया गया। दीक्षान्त समारोह में माननीय श्री राज्यपाल/कुलाधिपति द्वारा मुख्य अतिथि के रूप में दीक्षान्त भाषण दिया गया। विशिष्ट अतिथि के रूप में डॉ0 रणजीत कुमार सिन्हा, सचिव, उच्च शिक्षा मौजूद रहे।

समारोह में विश्वविद्यालय के वर्ष 2023-2024 सत्र में उत्तीर्ण 20 शिक्षार्थियों को स्वर्ण पदक दिए गये। साथ ही 02 शिक्षार्थियों को कुलाधिपति स्वर्ण पदक एवं 03 को प्रायोजित स्वर्ण पदक प्रदान किये गये। विश्वविद्यालय द्वारा शैक्षिक सत्र 2023-24 के विभिन्न

विद्याशाखाओं के 17084 शिक्षार्थियों को स्नातक एवं स्नातकोत्तर की उपाधि प्रदान की गई, इसके साथ ही विश्वविद्यालय के 13 छात्रों को पी-एच.डी. उपाधि प्रदान की गई।
समारोह में मा0 कुलपति द्वारा विश्वविद्यालय की वर्ष 2023-24 के वार्षिक प्रगति आख्या का प्रस्तुतिकरण किया गया।
उक्त के अतिरिक्त विश्वविद्यालय परिनियमावली के अध्याय-आठ 'मानद उपाधि प्रदान करना' (धारा 5 (चार)) परिनियम 36(4) में वर्णित व्यवस्थानुसार माननीय श्री राज्यपाल/कुलाधिपति महोदय से प्राप्त अनुमोदन के क्रम में उत्तराखण्ड राज्य के विशिष्ट व्यक्ति - प्रो0 हेम चन्द्र जी को विश्वविद्यालय के नवम दीक्षान्त समारोह में मानद उपाधि प्रदान की गई।

देवभूमि उद्यमिता योजना के तहत उत्तराखंड मुक्त विश्वविद्यालय में 12 दिवसीय EDP का आयोजन

उत्तराखंड मुक्त विश्वविद्यालय (UOU), हल्द्वानी में 16 से 29 जनवरी 2025 तक 12 दिवसीय उद्यमिता विकास कार्यक्रम (EDP) का आयोजन किया गया। यह कार्यक्रम देवभूमि उद्यमिता योजना(DUY)परियोजना के तहत आयोजित किया गया, जिसे भारतीय उद्यमिता विकास संस्थान (E D I I), अहमदाबाद द्वारा वित्तीय सहायता प्रदान की गई थी। इस कार्यक्रम का उद्देश्य छात्रों और स्थानीय युवाओं को स्वरोजगार और उद्यमिता के लिए प्रेरित करना था, ताकि वे अपने स्वयं के व्यवसाय की शुरुआत कर सकें और समाज में रोजगार सृजन में भागीदार बन सकें।

इस कार्यक्रम के आयोजन में उत्तराखंड मुक्त विश्वविद्यालय के शिक्षकों और कर्मचारियों के साथ-साथ स्थानीय शैक्षिक संस्थानों से भी कई छात्र-छात्राओं ने भाग लिया।कार्यक्रम हेतु कुल 125 पंजीकरण प्राप्त हुए थे, जिनमें से 50 प्रतिभागियों ने सक्रिय रूप से कार्यक्रम में भाग लिया। उद्घाटन समारोह में 100 से अधिक लोग उपस्थित थे। इस अवसर पर उत्तराखंड मुक्त विश्वविद्यालय के माननीय कुलपति प्रो. ओपीएस नेगी, प्रो. गिरिजा पांडे (निदेशक, सिका), प्रो. सोमेश कुमार, कार्यवाहक रजिस्ट्रार, डॉ. अखिलेश सिंह (संयोजक), डॉ. सुमित प्रसाद (सदस्य सचिव, विश्वविद्यालय उद्योग प्रकोष्ठ), और अन्य प्रमुख वक्ताओं ने उद्यमिता, स्टार्टअप्सऔर बैंकिंग क्षेत्र पर अपने विचार साझा किएव कार्यक्रम के सफलता की लिए सभी समिति सदस्यों को शुभकामनाये दी|

इस कार्यक्रम के सफल आयोजन के लिए आयोजन समिति का विशेष योगदान रहा। समिति के सदस्य डॉ. अखिलेश सिंह, डॉ. मनोज कुमार पांडे, डॉ. नागेन्द्र सिंह गंगोला, श्रीमती पूजा शर्मा और श्री सुधांशु कुमार वर्मा ने मिलकर इस कार्यक्रम को सफल बनाने में महत्वपूर्ण भूमिका निभाई। इन सदस्यों के नेतृत्व में कार्यक्रम का प्रत्येक चरण सुचारू रूप से संपन्न हुआ और सभी सत्रों काआयोजन सफलतापूर्वक किया गया।

Hello Haldwani हैलो हल्द्वानी 91.2 FM
TOLL FREE
18001804025
/uoulive
/uoulive
Hello Haldwani 91.2 FM
GET IT ON Google Play

यूओयू को मिली एनसीवीईटी की मान्यता

उत्तराखण्ड मुक्त विश्वविद्यालय को राष्ट्रीय व्यावसायिक शिक्षा और प्रशिक्षण परिषद (NCVET) की मान्यता का पत्र प्राप्त हुआ। विश्वविद्यालय के कुलपति प्रो. ओ. पी. एस. नेगी ने कहा कि विश्वविद्यालय की ओर से कई बार उनके द्वारा परिषद के समक्ष विश्वविद्यालय का पक्ष रखा गया, जिसमें कई दौर के शाक्षात्कार हुए, लेकिन उनका लक्ष्य था कि उत्तराखण्ड के युवाओं के लिए रोजगारपरक शिक्षा प्रदान करने के लिए किसी भी रूप में राष्ट्रीय व्यावसायिक शिक्षा और प्रशिक्षण परिषद की मान्यता मिल जाए।

ज्ञात हो कि एनसीवीईटी भारत में व्यावसायिक शिक्षा और प्रशिक्षण के मानकीकरण और विनियमन के लिए उत्तरदायी नियामक प्राधिकरण है। परिषद का उद्देश्य राष्ट्रीय कौशल योग्यता रूपरेखा के अनुरूप योग्यताओं को रेखित करके कौशल-आधारित शिक्षा को बढ़ावा देना और उद्योग की आवश्यकताओं के अनुरूप रोजगार क्षमता में सुधार करना है। यहां यह बताना आवश्यक है कि एक महत्वपूर्ण उपलब्धि के रूप में, उत्तराखंड मुक्त विश्वविद्यालय को NCVET से Awarding Body & Dual Recognition द्वैतिक श्रेणी (AB&Dual) के रूप में मान्यता के लिए पत्र प्राप्त हुआ है। यह मान्यता यूओयू के लिए स्किल पाठ्यक्रम शुरू करने की दिशा में पहला कदम है। विशेष रूप से खुशी इस बात की है कि उत्तराखण्ड मुक्त विश्वविद्यालय उत्तराखंड का पहला राज्य विश्वविद्यालय और भारत का पहला राज्य मुक्त विश्वविद्यालय बन गया है जिसे यह प्रतिष्ठित मान्यता प्राप्त हुई है। विश्वविद्यालय के कुलपति प्रो. नेगी ने कहा कि अब विश्वविद्यालय राष्ट्रीय कौशल योग्यता रूपरेखा के दिशानिर्देशों के अनुसार विश्वविद्यालय में कौशल-आधारित कार्यक्रमों को शुरू करेगा, जिससे व्यावसायिक शिक्षा को मजबूती मिलेगी।

महायोगी गुरु गोरखनाथ महाविद्यालय, यमकेश्वर, पौड़ी गढ़वाल में आयोजित दो दिवसीय किसान मेला

दिनांक 6 फरवरी 2025 को महायोगी गुरु गोरखनाथ महाविद्यालय, यमकेश्वर, पौड़ी गढ़वाल में आयोजित दो दिवसीय किसान मेले में उत्तराखंड मुक्त विश्वविद्यालय, हल्द्वानी द्वारा स्थानीय लोगों को उच्च शिक्षा की जानकारी प्रदान करने के लिए अपना स्टॉल लगाया गया। साथ ही यमकेश्वर ब्लॉक के आंगनबाड़ी कार्यकर्ताओं व आशा कार्यकर्ताओं के लिए कार्यशाला का आयोजन किया गया। जिसमें उत्तराखंड मुक्त विश्वविद्यालय द्वारा संचालित पाठ्यक्रमों की जानकारी देने के साथ ही एक विश्वविद्यालय एक शोध योजना के अंतर्गत दिव्यांगजनों व वंचित वर्ग को शिक्षा के प्रति जागरूकता संबंधी कार्यशाला का आयोजन महाविद्यालय में किया गया। इस अवसर पर विश्वविद्यालय के कुलपति प्रोफेसर ओम प्रकाश सिंह नेगी, प्राध्यापक डॉ राकेश रयाल, प्राध्यापक डॉक्टर सिद्धार्थ पोखरियाल, श्री तरुण नेगी, श्री विजय प्रकाश रतूड़ी और समन्वयक श्री विनोद बिरखानी उपस्थित रहे।

मातृभाषा दिवस

मातृ भाषा दिवस पर उत्तराखण्ड मुक्त विश्वविद्यालय हल्द्वानी में भाषा, संस्कृति, पहचान, संचार, सामाजिक एकीकरण, शिक्षा और विकास के लिए आदि विषय पर एक कार्यक्रम आयोजित किया गया। कार्यक्रम में वरिष्ठ कुमाऊंनी साहित्यकार व लेखक दामोदर जोशी "देवांशु" ने कहा कि अपनी मातृ भाषा को सजाये रखना हम सबका कर्तब्य है और इसका संवर्धन/संरक्षण बहुत जरूरी है। यूओयू के सभागार में आयोजित कार्यक्रम में मुख्य अतिथि दामोदर जोशी ने कहा कि यह दु:खद है कि वर्तमान में हमारी नई पीढ़ी इसे नही समझ रही है। हम सबको मिलकर इसके लिए कार्य करना होगा, तभी इसे आगे बढ़ाया जा सकेगा। उन्होंने कहा कि उत्तराखण्ड में कई लोग साहित्य निकालकर अपनी भाषा को आगे बढ़ाने का कार्य कर रहे है, जो कि सराहनीय कदम है। कार्यक्रम की अध्यक्षता करते हुए कार्यवाहक कुलपति प्रो. गिरिजा पाण्डे ने कहा कि भाषा का बड़ा सामाजिक संदर्भ है। यह एक राजनीतिक मसला भी है और सांस्कृतिक टूल भी। प्रो. पाण्डे ने विस्तारपूर्वक मातृभाषाओं की सामाजिक भूमिका को रेखांकित किया। मानविकी विभाग की निदेशक प्रो. रेनू प्रकाश ने अपना वक्तव्य कुमाऊंनी भाषा में उन्होंने कहा कि मातृभाषा को हमें अपनी दिनचर्या में भी लाना होगा, तभी हम सफल हो सकते है। हिन्दी विभागाध्यक्ष डा. शशांक शुक्ला ने विषय की रूपरेखा प्रस्तुत करते हुए यूनेस्को द्वारा मातृभाषा दिवस के इतिहास को सामने रखा, जबकि डा. राजेन्द्र कैड़ा ने कहा कि भाषा और पर्यावरण जैसी चीजें हमारे समाज में प्राय: उपेक्षित हो जाती है। जबकि ये हमारे समाज का महत्वपूर्ण हिस्सा है।

कार्यक्रम का संचालन करते हुए डा. अनिल कार्की ने भाषाओं के इतिहास पर संक्षिप्त रूपरेखा प्रस्तुत की और कहा कि यह कार्यक्रम मात्र गोष्ठीयों में ही नही सिमटना चाहिए बल्कि इसका व्यापक रूप से प्रचार-प्रसार भी हो और लाभ दिखे। निदेशक अकादमिक प्रो. पीडी पंत ने सभी का आभार जताते हुए धन्यवाद ज्ञापन किया। इस मौके पर विभिन्न मातृ भाषाओं में प्रस्तुतियां दी गई। कार्यक्रम में विश्वविद्यालय के अनेक शिक्षक मौजूद थे।

परीक्षा

1.विश्वविद्यालय की शीतकालीन परीक्षा सत्र दिसम्बर- 2024 से संबंधित स्थायी परीक्षा कार्यक्रम, प्रवेश पत्र डाउनलोड हेतु सूचना व परीक्षा केन्द्रों की सूचना वि0वि0 वेबसाइट,समस्त क्षेत्रीय कार्यालयों,अध्ययन केन्द्रों व परीक्षा केन्द्रों को प्रेषित की गई।

2.विश्वविद्यालय की शीतकालीन परीक्षा सत्र दिसम्बर- 2024 से संबंधित गोपनीय सामग्री व परीक्षा प्रपत्रों को परीक्षा केन्द्रों में पहुंचाने हेतु 2-2 सदस्यों की 11 टीमें परीक्षा केन्द्रों में भेजी गई, जिसके उपरांत दिनांक 05 फरवरी 2025 से कुल 70 परीक्षा केन्द्रों में परीक्षाएं सफलतापूर्वक संचालित की गई।

3.परीक्षाओं के आयोजन हेतु समस्त परीक्षा केन्द्रों को सामाग्री प्रेषित करने से पूर्व ई-मेल के माध्यम से परीक्षा की सूचना, दिनांक सहित परिक्षार्थियों/प्रश्नपत्रों का विवरण व आवश्यक दिशा-निर्देश/मानक विवरण प्रेषित किये गये।

उत्तराखंड मुक्त विश्वविद्यालय में कैंपस प्लेसमेंट ड्राइव का आयोजन

The Placement Cell and CIQA of Uttarakhand Open University, Haldwani organized a campus placement drive on February 28, 2025. The primary objective of this placement drive was to provide employment opportunities to the university's undergraduate and postgraduate learners. The event saw participation of TaskUs MNC, an internationally renowned outsourcing company that provides services to global firms such as Facebook and DoorDash. Over 211 students from the university registered for the drive and selected candidates will be offered positions in Haldwani and other cities. The programme commenced on 28th February, 2025 at 2:30 PM.

This initiative was part of the university's ongoing efforts to help students secure job opportunities in prestigious companies.

अन्तरराष्ट्रीय महिला दिवस के अवसर पर एक दिवसीय सेमिनार का आयोजन

उत्तराखंड मुक्त विश्वविद्याल के महिला अध्ययन केंद्र, अंतरिक्ष शिकायत समिति एवं महिला सशक्तिकरण प्रकोष्ठ के संयुक्त तत्वाधान में अन्तरराष्ट्रीय महिला दिवस के उपलक्ष में "फॉर ऑल वुमन एंड गर्ल्स राइट, इक्वलिटी एएमपावरमेंट" विषय पर एक दिवसीय परिसंवाद कार्यक्रम आयोजित किया गया। शुरुआत विश्वविद्यालय के कुल गीत से हुई तत्पश्चात कार्यक्रम का तत्पश्चात प्रोफेसर रेनू प्रकाश जी ने अपने स्वागत भाषण में महिला मुद्दों और लिंग आधारित मुद्दों पर महिला आंदोलन के आंदोलन के स्वरूप पर चर्चा की। तत्पश्चात प्रोफेसर राकेश रयाल जी ने विषय प्रवेश में महिला आंदोलन के इतिहास के बारे में व आज के दौर पर इन आंदोलनों की सार्थकता पर अपने विचार व्यक्त किए। मुख्य अतिथि प्रोफेसर अंजू अग्रवाल जी ने अपना उद्बोधन में न सिर्फ महिला मुद्दों और जेंडर आधारित मुद्दों के इतिहास के बारे में बताया| साथ ही उन्होंने यह भी बताया कि महिलाएं आज के दौर में खुद में सक्षम है और हर क्षेत्र में अपने सफलता के आयाम को छू रही है। आज के दौर पर बस जरूरत इस बात की है कि महिला सशक्तिकरण की यह मिसाल हर तबके की महिला तक पहुंचाई जा सके।

योग कार्यशाला

योग विज्ञान में डिप्लोमा (मुख्य तथा बैक), बी० ए० योग प्रथम वर्ष, द्वितीय वर्ष एवं तृतीय वर्ष (मुख्य तथा बैक) एम० ए० योग द्वितीय सेमेस्टर/प्रथम वर्ष एवं चतुर्थ सेमेस्टर/ द्वितीय वर्ष (मुख्य तथा बैक) के शिक्षार्थियों की 10 दिवसीय कार्यशाला दिनांक 15 मार्च 2025 से 24 मार्च 2025 तक उत्तराखण्ड मुक्त विश्वविद्यालय, हल्द्वानी में संपन्न हुई।

योग विज्ञान में डिप्लोमा (मुख्य तथा बैक), बी० ए० योग प्रथम वर्ष, द्वितीय वर्ष एवं तृतीय वर्ष (मुख्य तथा बैक) एम० ए० योग द्वितीय सेमेस्टर प्रथम वर्ष एवं चतुर्थ सेमेस्टर/द्वितीय वर्ष (मुख्य तथा बैक) के शिक्षार्थियों की की प्रयोगात्मक परीक्षा दिनांक 25 मार्च 2025 को उत्तराखण्ड मुक्त विश्वविद्यालय, हल्द्वानी में संपन्न करायी गयी।

उत्तराखण्ड मुक्त विश्वविद्यालय, हल्द्वानी के महिला सशक्तिकरण प्रकोष्ठ, आतंरिक शिकायत समिति एवं महिला अध्ययन केंद्र के संयुक्त तत्वाधान में अंतर्राष्ट्रीय महिला दिवस के मौके पर योग विभाग स्वास्थ्य विज्ञान विद्याशाखा द्वारा आंगनबाड़ी केद्र प्राथमिक विद्यालय नयागांव लछमपुर में महिला जागरूकता एवं योग सत्र का आयोजन किया गया। दिनांक 6 मार्च 2025 को सांय 4 बजे से 6 बजे तक लछमपुर गांव में घर-घर जाकर महिलाओं को स्वास्थ्य के प्रति जागरूक किया गया।

दिनांक 7 मार्च 2025 को आयोजित योग सत्र में प्रतिभाग करने हेतु प्रेरित किया गया। दिनांक 7 मार्च 2025 को प्रातः 8:00 बजे से 10:00 बजे तक दो घंटे योग सत्र का आयोजन किया गया जिसमें नयागांव लछमपुर की 100 से अधिक महिलाओं एवं छात्राओं ने प्रतिभाग किया।

आज़ादी का अमृत महोत्सव

EK BHARAT SHRESHTHA BHARAT एक भारत श्रेष्ठ भारत

G20 भारत 2023 INDIA

ACCREDITED WITH GRADE B++ NAAC

छात्र-छात्राओं हेतु नशामुक्ति जागरूकता कार्यशालाएँ

उत्तराखंड मुक्त विश्वविद्यालय हल्द्वानी द्वारा केंद्रीय सामाजिक न्याय अधिकारिता मंत्रालय भारत सरकार के सांविधानिक निकाय राष्ट्रीय समाज सुरक्षा संस्थान, नई दिल्ली के सहयोग से महाविद्यालय, विश्वविद्यालय एवं स्कूल, कॉलेज के छात्र व छात्राओं को नशे के दुष्प्रभाव व ड्रग्स के कारण होने वाली समस्याओं के बारे में जागरूक करने संबंधी विभिन्न कार्यशालाओं का आयोजन मार्च माह में किया गया। इन कार्यशालाओं का आयोजन दिनांक 6 मार्च 2025 को चंपावत, दिनांक 10 मार्च 2025 को रामनगर, दिनांक 22 मार्च 2025 को हल्द्वानी, दिनांक 24 मार्च 2025 को कसियालेख (रामगढ़), दिनांक 27 मार्च ऋषिकेश, दिनांक 28-29 मार्च देहरादून में किया गया।

वन यूनिवर्सिटी वन रिसर्च : कुलपति प्रो. ओ.पी. सिंह नेगी का प्रस्तुतिकरण

उत्तराखंड मुक्त विश्वविद्यालय को आवंटित वन यूनिवर्सिटी वन रिसर्च के अंतर्गत दिव्यांग, वंचित और शोषितों के लिए शिक्षा जागरूकता विषय पर आवंटित शोध विषय पर माननीय कुलपति प्रोफेसर ओम प्रकाश सिंह नेगी जी द्वारा दिनांक 7 अप्रैल को प्रस्तुतिकरण दिया गया। प्रो\. नेगी द्वारा प्रस्तुत शोध समाज में उन वर्गों को मुख्य धारा में लाने की दिशा के प्रति एक महत्वपूर्ण कदम है, जो किसी कारणवश शिक्षा को प्राप्त नहीं कर पाए हैं। महामहिम

राज्यपाल द्वारा शोध की व्यापकता और गहनता को ध्यान में रखते हुए और व्यावहारिक बनाए जाने पर सुझाव दिया गया और इसको पूरे राज्य में व्यापक स्तर पर किए जाने की अपेक्षा की गई। इस अवसर पर उनके साथ शोध निदेशक डॉ सिद्धार्थ पोखरियाल भी उपस्थित रहे।

यूडीएल पर तीन दिवसीय राष्ट्रीय कार्यशाला

दिनांक 22/04/25 को उत्तराखंड मुक्त विश्वविद्यालय के विशेष शिक्षा विभाग द्वारा यूनिवर्सल डिज़ाइन फॉर लर्निंग : एड्रेसिंग बैरियर्स (Universal Design for learning: Addressing Barriers) विषय पर तीन दिवसीय राष्ट्रीय स्तर का सतत पुनर्वास शिक्षा (CRE)कार्यक्रम का शुभारम्भ किया गया कार्यक्रम की रूपरेखा विशेष शिक्षा विभाग के पाठ्यक्रम समन्वयक डॉ सिद्धार्थ कुमार पोखरियाल द्वारा प्रस्तुत की गई| कार्यक्रम की अध्यक्षता उत्तराखंड मुक्त विश्वविद्यालय के माननीय कुलपति प्रोफ़ेसर ओम प्रकाश सिंह नेगी जी के नेतृत्व में की गयी| कार्यक्रम में स्वागत भाषण, शिक्षाशास्त्र विद्याशाखा के प्रोफ़ेसर डिगर सिंह फर्स्वाण द्वारा दिया गया| कार्यक्रम में विशेष शिक्षा विभाग के समस्त प्राध्यापक एवं अन्य विभागों के प्राध्यापक उपस्थित रहे| इस कार्यक्रम के प्रत्येक दिवस को दो तकनीकी सत्र में विभाजित किया गया | कार्यक्रम के प्रथम दिवस के प्रथम सत्र में प्रोफ़ेसर रजनी रंजन,विशेष शिक्षा विभाग दिल्ली विश्वविद्यालय एवं डॉ० सिद्धार्थ कुमार पोखरियाल, पाठ्यक्रम समन्वयक विशेष शिक्षा विभाग उत्तराखंड मुक्त विश्वविद्यालय द्वारा यूनिवर्सल डिज़ाइन पर व्याख्यान प्रस्तुत किया|

प्रीवेंशन फ्रॉम एल्कोहल एंड ड्रग एब्यूज विषय पर एक दिवसीय कार्यशाला का आयोजन

उत्तराखंड मुक्त विश्वविद्यालय हल्द्वानी में स्पर्श हिमालय विश्वविद्यालय डोईवाला के संयुक्त तत्वावधान में प्रीवेंशन फ्रॉम एल्कोहल एंड ड्रग एब्यूज विषय पर एक दिवसीय कार्यशाला का आयोजन दिनांक 11 अप्रैल को स्पर्श हिमालय विश्वविद्यालय के सभागार में किया गया कार्यशाला में मुख्य अतिथि सेवानिवृत्ति डीजीपी व सेवा के अधिकार आयोग के उपयुक्त श्री अनिल रतूड़ी जी, अति विशिष्ट अतिथि उत्तराखंड मुक्त विश्वविद्यालय के कुलपति प्रोफेसर ओम प्रकाश सिंह नेगी जी व कार्यक्रम अध्यक्ष कुलपति स्पर्श हिमालय विश्वविद्यालय प्रो काशीनाथ जेना की गरिमामयी उपस्थिति रही। कार्यशाला के संयोजक उत्तराखंड मुक्त विश्वविद्यालय के विशेष शिक्षा विभाग के समंवयक डॉ सिद्धार्थ पोखरियाल द्वारा कार्यक्रम का उद्देश्य समाज में छात्रों में बढ़ते नशे के दुष्प्रभाव को समाप्त करना व छात्रों का सर्वांगीण विकास करते हुए उनमें राष्ट्रप्रेम की भावना को बढ़ाते हुए समाज में मानवीय मूल्यों को विकसित करना और राष्ट्र को एक सशक्त राष्ट्र बनाने में उनकी भूमिका को बताना रहा। मुख्य अतिथि श्री अनिल लकड़ी द्वारा अपने संबोधन में सभी छात्रों में शिक्षकों से अपेक्षा की गई कि वह इस बुराई को समाज से जड़ से उखाड़ फेंकेंगे और समाज में मूल्यों को स्थापित करते हुए अधिकाधिक संख्या में लोगों को जागरूक करेंगे। अति विशिष्ट अतिथि प्रोफेसर ओम प्रकाश सिंह नेगी ने अपने उद्बोधन में कहा कि व्यक्ति पर अच्छी और बुरी संगति का असर सबसे पहले परिवार व समाज से होता है। हमको यह समझ लेना चाहिए कि नशे व ड्रग्स का दुष्प्रभाव सबसे पहले किशोरावस्था पर ही पड़ता है इस संबंध में परिवार और समाज को जागरूक होने की आवश्यकता है कि किशोरावस्था में ही हम व्यक्ति को इन बुराइयों से दूर करके रखें | इस विषय पर समाज में खुलकर चर्चा करने की आवश्यकता है।

विश्वविद्यालय में एशियन विकास बैंक (एडीबी) द्वारा दो दिवसीय कार्यशाला का आयोजन

उत्तराखंड मुक्त विश्वविद्यालय में एशियन विकास बैंक (एडीबी) द्वारा दो दिवसीय कार्यशाला का आयोजन दिनांक 28 एवं 29 अप्रेल 2025 को किया गया| कार्यक्रम में उत्तराखंड मुक्त विश्वविद्यालय के संस्थागत विकास योजना (आईडीपी) के बारे में विस्तार से चर्चा की गई। राष्ट्रीय शिक्षा नीति 2020 के प्रभावी क्रियान्वयन हेतु उच्च शिक्षा विभाग के अंतर्गत एशियन विकास बैंक की तकनीकी अनुदान सहायता के माध्यम से माडल कैम्पस विकसित किये जाने हेतु उत्तराखंड मुक्त विश्वविद्यालय का चयन किया गया है। जिसके लिए पूर्व में कई बैठकों का आयोजन तथा एशियन विकास बैंक टीम द्वारा विश्वविद्यालय का भ्रमण किया गया है। उत्तराखंड मुक्त विश्वविद्यालय उत्तराखंड का एकमात्र मुक्त एवं दूरस्थ शिक्षा के क्षेत्र में कार्य करने वाला विश्वविद्यालय है।

उत्तराखंड मुक्त विश्वविद्यालय के संस्थागत विकास योजना (आईडीपी) के सफल क्रियान्वयन के लिए आयोजित दो दिवसीय कार्यशाला में एशियन विकास बैंक के टीम के अध्यक्ष डॉ0 पार्थ बनर्जी व टीम द्वारा आईडीपी के सफल क्रियान्वयन तथा विश्वविद्यालय के गुणवत्तापरक विकास के लिए रणनीति पर विस्तार से चर्चा करते हुए कहा कि संस्थागत विकास योजना (आईडीपी) एनईपी 2020 के तहत एक प्रमुख रणनीति है, जो नीति के लक्ष्यों के साथ रेखित प्रथाओं को लागू करने में उच्च शिक्षा संस्थानों (एचईआई) का मार्गदर्शन करती है। एक आईडीपी एक संरचित कार्य योजना के रूप में कार्य करती है जो शैक्षणिक संस्थानों को अकादमिक और व्यावसायिक उत्कृष्टता की ओर ले जाती है।

प्रेरण कार्यक्रम (प्रवेश सत्र जनवरी -2025)

दिनाँक 26 अप्रैल 2025 को उत्तराखण्ड़ मुक्त विश्वविद्यालय के आदर्श अध्ययन केन्द्र, देहरादून (केन्द्र सं0-11000) में प्रवेश सत्र जनवरी 2025 के प्रेरण कार्यक्रम का आयोजन किया गया। प्रेरण कार्यक्रम को आयोजित कराने का उद्देश्य शिक्षार्थियों को अपने लक्ष्यों को प्राप्त करने, अपने कौशल विकास को विकसित करने, तथा समाज के प्रति योगदान के लिए प्रेरित करना था। साथ ही साथ उनमें सकारात्मक सोच को विकसित किया जा सके। इन सभी बातों के मध्यनजर प्रेरण कार्यक्रम का आयोजन किया गया।

प्रेरण कार्यक्रम के संयोजक प्रभारी परिसर निदेशक डॉ0 सुभाष रमोला ने कहा कि प्रेरण कार्यक्रम का उददेश्य नए प्रवेश लिए शिक्षार्थी को विश्वविद्यालय के नए वातावरण मे समायोजित करना है जिससे वे अपने आप को सहज महसूस करे और विश्वविद्यालय की कार्य प्रणाली से रूबरू हो सके जिससे शिक्षार्थी अपने प्रोग्राम को आसानी पूर्ण कर सके। डॉ0 रमोला ने छात्रों को शिक्षा के स्तर को निरंतर ऊंचा उठाने के लिए प्रेरित किया। उन्होंने नई शिक्षा नीति के अनुरूप विश्वविद्यालय द्वारा प्रदान की जा रही अद्यतन अध्ययन सामग्री तथा ऑनलाइन संसाधनों की भी विस्तृत जानकारी दी। डॉ0 रमोला ने बताया कि विश्वविद्यालय की वेबसाइट पर अध्ययन सामग्री ऑनलाइन उपलब्ध कराई गई है, जिससे शिक्षार्थियों के लिए अध्ययन और भी सुगम हो गया है।

साइबर सुरक्षा पेशेवरों के लिए, खतरों और उल्लंघनों से बचाव के लिए सूचना सुरक्षा के मूल सिद्धांतों को समझना आवश्यक है" यह बात डॉ. आनंद बल्लभ जोशी, (गणित विभाग, लखनऊ विश्वविद्यालय, लखनऊ द्वारा) कही गई ,जो गणित विभाग, विज्ञान संकाय,उत्तराखंड मुक्त विश्वविद्यालय, हल्द्वानी, उत्तराखंड, भारत द्वारा आयोजित व्याख्यान श्रृंखला में अतिथि वक्ता थे। यह व्याख्यान श्रृंखला शिक्षार्थियों, शोधार्थियों और शोधार्थियों के लिए आयोजित की गई थी। डॉ. आनंद बल्लभ जोशी ने अपनी शोध उपाधि इंडियन इंस्टिट्यूट ऑफ़ टेक्नोलॉजी (IIT) दिल्ली और इसके पश्चात पोस्ट रिसर्च फेलो रिइनिश-वेस्टफालिसे टेक्नीश होचस्चुले आचेन, यूनिवर्सिटी, आचेन, जर्मनी से पूरा किया है| डॉ. आनंद बल्लभ जोशी का शोध नंबर थ्योरी पर है|

डॉ. आनंद बल्लभ जोशी ने सूचना सुरक्षा के तीन मूलभूत सिद्धांतों - गोपनीयता, अखंडता और उपलब्धता का वर्णन किया| उन्होंने कहा कि रक्षा क्षेत्र में, विशेष रूप से क्रिप्टोग्राफी और सुरक्षित संचार में संख्या सिद्धांत एक महत्वपूर्ण भूमिका निभाता है। यह संवेदनशील जानकारी की सुरक्षा के लिए उपयोग किए जाने वाले विभिन्न एन्क्रिप्शन एल्गोरिदम और कुंजी विनिमय प्रोटोकॉल के लिए गणितीय आधार प्रदान करता है। विशेष रूप से, संख्या सिद्धांत RSA और डिफी-हेलमैन जैसे एल्गोरिदम के लिए आवश्यक है, जिनका व्यापक रूप से डेटा और संचार को सुरक्षित करने के लिए उपयोग किया जाता है

गणित विभाग की तरफ से कार्यक्रम समन्वयक प्रोफेसर अरविन्द भट्ट ने अतिथि वक्ता का सम्मान किया और विजान विद्या शाखा की तरफ से निदेशक प्रोफेसर प्रवेश कुमार सहगल ने अपने विचार प्रस्तुत किये|

कार्यक्रम मैं डॉ ज्योति रानी, डॉ दीपक कुमार शर्मा, डॉ कमलेश बिष्ट, डॉ दीपा बिष्ट, डॉ श्याम सिंह कुंजवाल, डॉ मुक्त जोशी, डॉ पूर्णिमा नैलवाल, डॉ धीरज कुमार पन्त, डॉ मोहन सिंह, भावना फुलारा, गीता मठपाल, पूजा जोशी, प्रवीन धानिक, अतुल, हेमा जोशी सहित शिक्षकगण, शिक्षिकाएं, शिक्षार्थि, शोधार्थि उपस्थित रहे|

समान नागरिक संहिता पर वेबिनार

उत्तराखण्ड देश का पहला राज्य है जो सामान नागरिक संहिता को लागू किया है| इस ऐतिहासिक निर्णय पर विचार विमर्श और जन जागरूकता संवर्धन हेतु विधि विद्याशाखा द्वारा वेबिनार का आयोजन किया गया, इस वेबिनार का उद्देश्य प्रतिभागियों को सामान नागरिक संहिता की आवश्यकता,प्रावधान व प्रभावों से अवगत करना था| वेबिनार में देश के कई राज्यों से प्रतिभागियों ने प्रतिभाग किया, कुल प्रतिभागियों की अधिकतम संख्या ५० रही| कार्यक्रम माननीय कुलपति महोदय, कुलसचिव महोदय, निदेशक व समन्वयक विधि विद्याशाखा के मार्गदर्शन में आयोजित हुआ|

कार्यक्रम की रूपरेखा व परिचर्चा के विषय का संक्षिप्त विवरण समन्वयक डॉ दीपांकुर जोशी द्वारा प्रस्तुत किया गया| जिसमे उन्होंने कायर्क्रम के मंतव्य, रूपरेखा व् सामान नागरिक संहिता के प्रावधानों का संक्षिप्त विवरण व उद्देश्य प्रतिभागियों क सम्मुख प्रस्तुत किया|

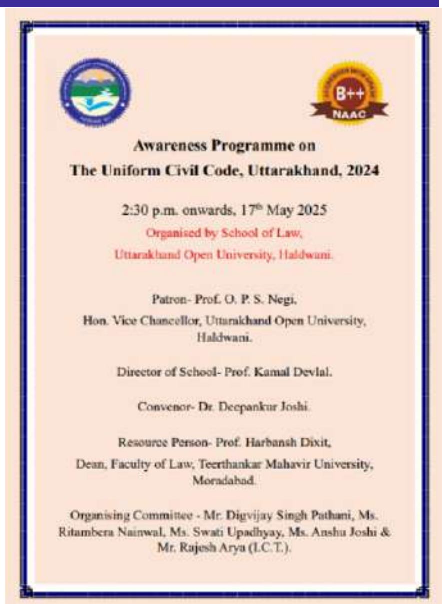

- समाजशास्त्र विभाग के पीएच0डी0 शोधार्थी प्रखर बिष्ट, नामांकन संख्या-24338809 की शोध सलाहकार समिति की बैठक दिनांक 27 मई 2025 को पूर्वाहन 11:30 बजे से आहूत की गई। इसके साथ ही समाजशास्त्र विभाग के अन्य पीएच0डी0 शोधार्थियों गैरव सती, शैलजा एवं नीलम दानू द्वारा भी अपनी छः-छः माह की प्रगति रिपोर्ट को समाजशास्त्र विभाग की शोध सलाहकार समिति के सम्मुख प्रस्तुत किया गया। 27 मई 2025 को समाजशास्त्र विभाग की शोध सलाहकार समिति की बैठक सफलतापूर्वक सम्पन्न करा ली गई है।
- संस्कृत विभाग के पीएच0डी0 शोधार्थी गीता, नामांकन संख्या-18134125 एवं हिन्दी विभाग की पीएच0डी0 शोधार्थी आशा पांडे, नामांकन संख्याः-20236502 की शोध सलाहकार समिति की बैठक दिनांक 30 मई 2025 को आहूत की गई। 30 मई 2025 को संस्कृत एवं हिन्दी विभाग की शोध सलाहकार समिति की बैठक सफलतापूर्वक सम्पन्न करा ली गई है।
- जन्तु विज्ञान विभाग के पीएच0डी0 शोधार्थी शाही सिद्धिकी, नामांकन संख्याः-20237798, कंचन तिवारीः-19172621 एवं रीता रानी, नामांकन संख्याः-20236502 की शोध सलाहकार समिति की बैठक दिनांक 26 मई 2025 को आहूत की गई। 26 मई 2025 को जन्तु विज्ञान विभाग की शोध सलाहकार समिति की बैठक सफलतापूर्वक सम्पन्न करा ली गई है।

उत्तराखंड मुक्त विश्वविद्यालय को यूजीसी की धारा 12 (बी) के अंतर्गत मिली मान्यता।

उत्तराखंड राज्य के लिए यह एक अत्यंत गर्व का विषय है कि उत्तराखंड मुक्त विश्वविद्यालय को विश्वविद्यालय अनुदान आयोग द्वारा यूजीसी अधिनियम की धारा 12(बी) के अंतर्गत मान्यता प्रदान कर दी गई है। इस मान्यता के साथ ही विश्वविद्यालय अब केंद्र सरकार, यूजीसी तथा अन्य राष्ट्रीय एवं अंतरराष्ट्रीय संस्थाओं से शोध परियोजनाओं, अनुदानों एवं शैक्षणिक सहयोग हेतु आवेदन एवं सहभागिता के लिए पात्र हो गया है।

यूजीसी की धारा 12(बी) के अंतर्गत यह मान्यता केवल उन्हीं विश्वविद्यालयों को दी जाती है जो उच्च शैक्षणिक मानदंडों, प्रशासनिक पारदर्शिता, वित्तीय अनुशासन और गुणवत्तायुक्त शैक्षणिक माहौल को पूर्ण रूप से स्थापित करते हैं। यह मान्यता उत्तराखंड मुक्त विश्वविद्यालय की शैक्षणिक साख, अनुसंधान क्षमता और नवाचार-उन्मुख दृष्टिकोण का प्रत्यक्ष प्रमाण है।

इस ऐतिहासिक अवसर पर विश्वविद्यालय के कुलपति प्रो ओ. पी. एस. नेगी ने अपनी प्रसन्नता व्यक्त करते हुए कहा कि- "यूजीसी की धारा 12(बी) के तहत प्राप्त यह मान्यता न केवल विश्वविद्यालय की एक बड़ी उपलब्धि है, बल्कि यह उत्तराखंड राज्य की दूरवर्ती, वंचित और कामकाजी जनसंख्या को गुणवत्तापूर्ण उच्च शिक्षा उपलब्ध कराने के हमारे निरंतर प्रयासों की पुष्टि भी है। अब हम राष्ट्रीय एवं अंतरराष्ट्रीय शोध परियोजनाओं में भागीदारी कर सकेंगे, जिससे हमारे विद्यार्थियों, शोधार्थियों एवं संकाय सदस्यों के लिए नए अवसर सृजित होंगे।"

उत्तराखंड मुक्त विश्वविद्यालय जो कि राज्य का एकमात्र मुक्त और दूरवर्ती शिक्षा प्रदान करने वाला विश्वविद्यालय है, ने हाल के वर्षों में डिजिटल शिक्षा, ई-लर्निंग, मूल्यपरक पाठ्यक्रमों और गुणवत्तापूर्ण शिक्षण में अनेक नवाचार किए हैं। यह मान्यता न केवल विश्वविद्यालय के लिए बल्कि पूरे राज्य के लिए शैक्षिक उन्नयन का एक नया अध्याय है।

विश्व रेडियो दिवस

उत्तराखंड मुक्त विश्वविद्यालय के सामुदायिक रेडियो हैलो हल्द्वानी ने पूरे जोश और संकल्प के साथ विश्व रेडियो दिवस मनाया। इस साल की थीम 'जलवायु परिवर्तन और रेडियो' को केंद्र में रखते हुए, रेडियो स्टेशन ने जलवायु जागरूकता को अपनी प्राथमिकता बनाने का निर्णय लिया है।

इस अवसर पर विश्वविद्यालय के कुलपति प्रो. ओ.पी.एस. नेगी, जो स्वयं भौतिकी के प्रोफेसर हैं, ने कहा, ग्लोबल वार्मिंग अब भविष्य की चुनौती नहीं, बल्कि हमारे दरवाजे पर दस्तक दे चुकी हकीकत है। बदलता मौसम, बढ़ती गर्मी और अनियमित बारिश खतरे की घंटी बजा रहे हैं। ऐसे में 'हैलो हल्द्वानी' रेडियो की भूमिका और अहम हो जाती है। हमारा प्रयास रहेगा कि जलवायु परिवर्तन को सिर्फ बहस का मुद्दा न रहने दिया जाए, बल्कि इसके प्रति जन जन को जागरुक किया जाए।

रेडियो निदेशक प्रो. (डॉ.) गिरिजा प्रसाद पांडे ने इस अवसर पर कहा कि रेडियो न सिर्फ सूचनाओं का माध्यम है, बल्कि बदलाव का भी माध्यम है। उन्होंने कहा कि हमें स्टूडियो से बाहर निकलकर समुदाय के बीच जाकर जागरूकता फैलानी होगी, और हेलो हल्द्वानी इसके लिए पूरी तरह तैयार है।

इस अवसर पर रेडियो प्रभारी प्रो. (डॉ.) राकेश चंद्र रयाल ने कहा,हम सिर्फ आज नहीं, बल्कि पूरे साल जलवायु परिवर्तन से जुड़े कार्यक्रमों को प्राथमिकता देंगे, ताकि हर वर्ग इस गंभीर समस्या को समझे और समाधान का हिस्सा बने। इस मौके पर रेडियो हैलो हल्दवानी के आरजे अनिल नैनवाल और आरजे सुनीता भट्ट ने जलवायु परिवर्तन पर विशेष कार्यक्रम प्रस्तुत किए। कार्यक्रम की खास पेशकश में वर्ल्ड वाइड फंड फॉर नेचर के जलाशय, नदियाँ और वाटर रिसोर्स मैनेजमेंट विंग के निदेशक डॉ. नितिन से विशेष चर्चा की गई। उन्होंने कहा,अगर हमें अपनी नदियाँ, जलाशय और वेटलैंड्स बचाने हैं, तो हमें अपने स्तर पर पहल करनी होगी। जल संरक्षण केवल सरकार की जिम्मेदारी नहीं, बल्कि समाज का कर्तव्य भी है। 'हैलो हल्द्वानी' रेडियो इस मिशन के साथ आगे बढ़ रहा है कि जलवायु चेतना केवल एक दिन की चर्चा बनकर न रह जाए, बल्कि सालभर इसकी गूंज सुनाई दे।

सामुदायिक रेडियो 'हैलो हल्द्वानी'और जागरूकता की आवाज उत्तराखंड मुक्त विश्वविद्यालय का सामुदायिक रेडियो 'हैलो हल्द्वानी' (91.2 FM), शिक्षा और सामाजिक जागरूकता का सशक्त माध्यम है। यह प्रातः 10:30 से सायं 4:30 तक प्रतिदिन प्रसारित होता है और कुल 6 घंटे की अवधि में शैक्षिक व सामुदायिक दोनों तरह के कार्यक्रमों का प्रसारण करता है। शैक्षिक और सामुदायिक संतुलन के 40 कार्यक्रम विश्वविद्यालय के लगभग 80,000 शिक्षार्थियों के लिए विषयगत व्याख्यान और अकादमिक चर्चाओं पर केंद्रित होते हैं। 60 कार्यक्रम स्थानीय समुदाय की भागीदारी और जागरूकता बढ़ाने के लिए समर्पित होते हैं।

हिंदी पत्रकारिता दिवस का आयोजन

दिनांक 30 मई, 2025को उत्तराखंड मुक्त विश्वविद्यालय के पत्रकारिता एवं मीडिया स्टडीज विभाग द्वारा हिंदी पत्रकारिता दिवस का आयोजन किया गया। हिंदी के पहले अखबार उदंत मार्तड की याद में इस दिवस को मनाया जाता है। दीप प्रज्ववलन व कुलगीत के साथ कार्यक्रम की शुरुआत करते हुए विभाग के विभागाध्यक्ष प्रोफेसर ड़ा. राकेश चन्द्र रयाल ने उदंत मार्तंड व पंडित जुगल किशोर शुक्ल के बारे में बताया और उस दौर की पत्रकारिता पर विस्तार से बात रखी। उन्होंने कहा कि भारत में हिंदी पत्रकारिता की शुरुआत स्वतंत्रता संग्राम को लेकर भारतीयों में जनचेतना का विकास करने से हुई| राजा राम मोहन राय, गणेश शंकर विद्यार्थी समेत हिंदी पत्रकारिता को खड़ा करने वालों की एक लंबी फेहरिस्त है। आज पत्रकारिता नैरेटिव व एजेंडा सैटिंग में लगी है, उन्होंने हिंदी अखबारों में भाषाई विशुद्ता पर भी सवाल उठाए. संगोठी में डिजिटल मीडिया के दौर में हिंदी पत्रकारिता एक चिंतन विषय पर चर्चा हुई।

संगोष्ठी में बोलते हुए बाबा भीमराव अंबेडकर केन्द्रीय विश्वविद्यालय लखनऊ के जनसंचार एवं पत्रकारिता विभाग के विभागाध्यक्ष प्रो. गोविंद जी पांडे ने कहा कि उदंत मार्तंड को प्रकाशित करके पंडित युगल किशोर शुक्ल ने हिंदी को मातृ भाषा से राष्ट्र भाषा के रूप में विकसित करने में बड़ी भूमिका अदा की। उन्होने बताया कि गल्फ वार ने तकनीकी के क्षेत्र में बड़ा बदलाव लाया। डेटा स्ट्रीमिंग के संसाधन हमारे पास बड़ी संख्या में आ गए जिससे हिंदी पत्रकारिता में भी बदलाव आए जो अभी तक केवल प्रिंट पत्रकारिता तक सीमित था वह अब इलेक्ट्रानिक तक विस्तारित हुई। तकनीकी सबसे पहले हमें जोड़ती है. टीवी क्रांति ने मुहल्ला व पड़ोसियों को एक घर में इकठ्ठा किया। उसके बाद केबल सेटलाइट फिर डीटीएच ने गांवों को भी गिरफ्त में ले लिया। एंटीना सारे गायब हो गए। सामूहिकता धीरे-धीरे खत्म हो रही थी सब लोग इसके मायाजाल में फंसे हुए थे। धीरे धीरे संचार में बहुत सी विकृतियां आना शुरु हो गई। पत्रकारिता के मूल्यों को अगर हमें बना क रखना है तो हमें सबसे पहले पत्रकारिता शिक्षा को बदलना होगा। आज 4 लाख रूपये खर्च करके एक विद्यार्थी पत्रकारिता का कोर्स कर रहा है पत्रकारिता का जन्म प्रशिक्षण से नहीं हुआ| इसीलिए इस प्रश्न को हम आज तक हम सुलझा नहीं पाएं है कि पत्रकारिता के लिए प्रशिक्षण की जरूरत है या नहीं| पत्रकारिता शिक्षा को मानीटर करने की कोई संस्था नहीं है। आज व्यक्ति एमएसएमई में रिजिस्ट्रेशन कराके अपना पोर्टल शुरु कर रहा है। पहले पत्रकारिता का लीनियर मॉडल था ,जहां गेटकीपिंग हुआ करती थी आज डिजिटल मीडिया में ये गेटकीपिंग ये निगरानी खत्म हो गया है| एक लहजे से तो यह फ्रीड्म ऑफ स्पीच के लिहाज से जरूरी है लेकिन अराजकता पैदा न हो, इसीलिए एक हद तक नियंत्रण भी जरूरी है। पत्रकारिता जनहिंत में बहती नदी है। पत्रकार हमेशा ही समाज के लिए सोचता व काम करता है। उन्होंने डिजिटल मीडिया के दौर की चुनौतियों पर बात की उन्होंने फेक न्यूज पर सबसे पहले काम करने की जरूरत बताई और इसे पहली कक्षा से ही पाठ्यक्रम का हिस्सा बनाने की बात कही।

भारतीय पुनर्वास परिषद द्वारा नवीन पाठ्यक्रमों हेतु निरीक्षण

उत्तराखंड मुक्त विश्वविद्यालय में विशेष शिक्षा से संबंधित नवीन पाठ्यक्रमों M.Ed विशेष शिक्षा, व पोस्ट ग्रेजुएट डिप्लोमा इन रिहैबिलिटेशन साइकोलॉजी विषयों के लिए भारतीय पुनर्वास परिषद द्वारा दिनांक 6 जनवरी को निरीक्षण किया गया।

दिव्यांगजन एवं वंचित वर्ग की शिक्षा जागरूकता को लेकर कार्यशाला का आयोजन

उत्तराखंड मुक्त विश्वविद्यालय के बीएड विशेष शिक्षा विभाग के तीसरे और पंचम सेमेस्टर के विद्यार्थियों की सात दिवसीय कार्यशाला का आयोजन दिनांक 12 जनवरी से लेकर 21 जनवरी के मध्य उत्तराखंड मुक्त विश्वविद्यालय में किया गया। जिसमें विद्यार्थियों को शिक्षण एवं प्रयोगात्मक कार्यों से संबंधी जानकारी दी गई।

उत्तराखंड मुक्त विश्वविद्यालय द्वारा "राजभवन उत्तराखंड की एक विश्वविद्यालय एक शोध योजना" के अंतर्गत दिव्यांगजन एवं वंचित वर्ग को शिक्षा के प्रति जागरूक करने हेतु सरदार महिपाल राजेंद्र जनजातीय पीजी कॉलेज, साहिया में एक दिवसीय कार्यशाला का आयोजन किया गया। इस कार्यशाला में कालसी ब्लॉक की आंगनबाड़ी कार्यकर्ताओं ने भाग लिया।

कार्यशाला के दौरान उत्तराखंड मुक्त विश्वविद्यालय के बी.एड. विशेष शिक्षा विभाग के पाठ्यक्रम समन्वयक व सहायक प्राध्यापक डॉ. सिद्धार्थ पोखरियाल ने प्रतिभागियों को शोध योजना की विस्तृत जानकारी दी। उन्होंने आंगनबाड़ी कार्यकर्ताओं को दिव्यांगजन एवं वंचित वर्ग से संबंधित शिक्षा एवं रोजगार की समस्याओं, उनके समाधान एवं सरकारी योजनाओं के बारे में जागरूक किया। महाविद्यालय के चेयरमैन अनिल सिंह तोमर ने उत्तराखंड मुक्त विश्वविद्यालय द्वारा आयोजित इस कार्यशाला की सराहना करते हुए प्रतिभागियों से आह्वान किया कि वे अपने क्षेत्र में दिव्यांगजनों को उच्च शिक्षा, रोजगार एवं कौशल विकास की जानकारी दें और उनके सशक्तिकरण में योगदान दें। उन्होंने कहा कि इस प्रकार की जागरूकता कार्यशालाओं से समाज के हाशिए पर मौजूद दिव्यांगजन एवं वंचित वर्ग को लाभ मिलेगा। कार्यशाला में उत्तराखंड मुक्त विश्वविद्यालय से डॉ. सिद्धार्थ पोखरियाल एवं सुनील नेगी सहित कालसी ब्लॉक के विभिन्न आंगनबाड़ी केंद्रों की कार्यकत्रियां उपस्थित रहीं।

अन्य अकादमिक गतिविधियाँ

1. Dr. S.N.Ojha, Asstt. Prof. Botany Attended or actively participated 4th Biotech Conclave& International Conference on Strategies for Sustainable Agriculture, Environment & Health for Viksit Bharat on 03 - 05 February, 2025 organized by Uttarakhand Council of Biotechnology, Govt. of Agriculture, Haldi, Pantnagar, Uttarakhand.
2. Dr. S.N.Ojha, Asstt. Prof. Botany Delivered a lecture on “Integrated Farming Systems Incorporating Thymol-Rich 'Oregano': A Model for the Himalayan Region of Uttarakhand” in the 4th Biotech Conclave& International Conference and awarded from the best paper presentation.
3. Dr. S.N.Ojha, Asstt. Prof. Botany Organized a training / Capacity Building Programme on 24 February, 2025 among the prograssive farmers of the district Nainital for promotional activity under the external UCB funded project.
4. Dr. S.N.Ojha, Asstt. Prof. Botany Published a Prasar Patra entitled Himalayi Kshetron main Ausadhiya Guno va Audhyogika Mahatta se Bharpoor: Oregano (Van Tulsi) for the progressive farmers of Uttarakhand.
5. Dr. Priyanka Sharma, Astt. Prof. (AC) Attended and presented a paper at the 2nd International Conference (Hybrid Mode) on **"Emerging Trends in Stem and Health – Agri Science for Sustainable Development,"** organized by **MIET Kumaon** in collaboration with **USERC** on **February 24-25, 2025.**
6. Dr. Ranju Joshi Pandey Asst. Prof. (AC), Geography Presented a research paper on 30th IRED Prithvi Parva: Bhugol Kumbh National seminar Organized by Department of Geography, NATMO Kolkata, UPRTOU & PRSU Prayagraj, at 14 February 2025.
7. Professor P.K. Sehgal attended meeting Uttarakhand ***Secretariat*** Dehradun, regarding NEP 2020 credit structure and syllabus Zoology.
8. Professor P.K. Sehgal Attended the training programme “Mainstreaming Disaster Risk Reduction & Climate Chang Adaptation Measures into Development Planning” organised by ATI Nainital Uttarakhand at 28 to 29 May month.
9. RAC (03.05.2025) and RDC (23.05.2025) of Research Scholar enrolled in Ph.D. programme in the Department of Forestry and Environmental Science was conducted.
10. Research article entitled, “Cultural Significance and Conservation Challenges of Traditional Water Harvesting Systems of Uttarakhand Himalaya: A Critical Review” published in Biological Forum (2025) (**Dr. H.C. Joshi**, **Dr. Khashti Dasila, Dr. Neha Tiwari, Dr. Deepti Negi).**
11. Participated in 2 days national workshop on **“Mainstreaming Disaster risk reduction &Climate change adaptation measures into Development Planning”** on 28-29th May organized by **Disaster Management Cell**, **Dr. R.S Tolia Uttarakhand Academy of Adminsistration**, Nainital (**Dr. H.C. Joshi**).
12. Attended online lecture on **“High Altitude Actinomycetes: A promising source of novel antibiotics”** under **Har-Govind Khorana Lecture Series in Biological Sciences,** organized by the Department of Biotechnology, Graphic Era (Deemed to be) University on 23 May, 2025**. (Dr. Khashti Dasila**)
13. Attended NEP 2020 **Orientation & Sensitization Programme (MAY-B)** organized by **MMTTC, North-Eastern Hill University** from 21/05/2025 To 30/05/2025 in Online Mode **(Dr. Khashti Dasila)**.
14. Participated in online Webinar on **“FEMS Microbes Webinar on Microbial Dark Matter”** organized by **Federation of European Microbiological Societies (FEMS)** on 07/05/2025. **(Dr. Khashti Dasila**).
15. Attended a "**Water TechTalk Series - Building Resilient & Sustainable Water Network**" on May 29,2025 to explore digital infrastructure and innovations for a sustainable water-secured ecosystem (**Dr. Preeti Pant**).
16. Meenakshi Rana, et al. "Green Synthesis of Highly Fluorescent Carbon quantum Dots using Sweet Lemon Juice", which was submitted to Journal of Nanoparticle Research on 24 April 2025. (Submitted)

UTTARAKHAND OPEN UNIVERSITY, HALDWANI
उत्तराखण्ड मुक्त विश्वविद्यालय, हल्द्वानी
9th CONVOCATION

उत्तराखण्ड मुक्त विश्वविद्यालय

सरदार महिपाल राजेन्द्र जनजातीय (पी.जी.) कॉलेज साहिया, देहरादून।
उत्तराखंड मुक्त विश्वविद्यालय
द्वारा
एक विश्वविद्यालय एक शोध
योजना के अंतर्गत दिव्यांगजनों और वंचितों की शिक्षा के प्रति

स्वः श्री आनंद सिंह बिष्ट स्मृति तिरंगा पार्क का उद्घाटन

अमर उजाला

न्यूज डायरी

मातृभाषा की रक्षा हम सबका कर्तव्य : जोशी

हल्द्वानी। उत्तराखंड मुक्त विश्वविद्यालय में मातृ भाषा दिवस मनाया गया। भाषा, संस्कृति, पहचान, संचार, सामाजिक एकीकरण, शिक्षा आदि विषयों पर विशेषज्ञों ने अपनी राय व्यक्त की। यूओयू के सभागार में आयोजित कार्यक्रम में मुख्य अतिथि वरिष्ठ कुमाऊंनी साहित्यकार दामोदर जोशी ने कहा कि मातृभाषा की रक्षा करना हम सबका कर्तव्य है। इसका संरक्षण और संवर्धन आवश्यक है। नई पीढ़ी इसे नहीं समझ रही है। सबको मिलकर इसके लिए कार्य करना होगा।

दैनिक जागरण

पर्यावरण विज्ञान के शिक्षार्थियों ने किया भ्रमण

जासं • हल्द्वानी: उत्तराखंड मुक्त विश्वविद्यालय के पर्यावरण विज्ञान के शिक्षार्थियों ने नगर निगम अपशिष्ट उपचार संयंत्र, 28 माइल्ड सीवेज ट्रीटमेंट प्लांट, व सेंचुरी पल्प एंड पेपर मिल लालकुआं का भ्रमण किया। वानिकी एवं पर्यावरण विज्ञान के कार्यक्रम समन्वयक डा. एचसी जोशी ने बताया कि एमएससी (पर्यावरण विज्ञान) के तृतीय सेमेस्टर की सात दिवसीय प्रयोगात्मक कार्यशाला का आयोजन किया जा रहा है। कार्यशाला 14 फरवरी तक चलेगी। शिक्षार्थियों के साथ विभाग के प्राध्यापक डा. बीना फलारा, डा. प्रीति पंत व डा. दीप्ति नेगी ने भी भाग लिया।

अमर उजाला

रेडियो पर जलवायु परिवर्तन के कार्यक्रमों को तव...

हल्द्वानी। उत्तराखंड मुक्त विश्वविद्यालय के सामुदायिक रेडियो 'हेलो हल्द्वानी' ने विश्व रेडियो दिवस मनाया। इस साल की थीम 'जलवायु परिवर्तन और रेडियो' को...

उत्तराखंड मुक्त विवि को मिली 12 बी की मान्यता

...क और उपलब्धि, केंद्रीय अनुदान की पात्रता में शामिल

...ल जागरण

'साइबर सुरक्षा में सूचना सुरक्षा सिद्धांत की भूमिका महत्वपूर्ण'

जासं • हल्द्वानी: उत्तराखंड मुक्त विश्वविद्यालय के गणित विभाग की ओर से शनिवार को व्याख्यान आयोजित किया गया। ...द्यालय में गणित ...बल्लभ जोशी ने ... कहा कि साइबर ... और उल्लंघनों ... सुरक्षा के मूल ...श्यक है। उन्होंने ... मूलभूत सिद्धांत ... उपलब्धता का ...र सुरक्षा के प्रति ...या। कहा, किसी ... डिटेल, ओटीपी ... पर प्रो. अरविंद भट्ट, प्रो. प्रवेश कुमार सहगल, डा. ज्योति रानी, डा. दीपक शर्मा, डा. कमलेश बिष्ट, डा. दीपा बिष्ट आदि मौजूद रहे।

उत्तराखंड मुक्त विवि हल्द्वानी में आयोजित व्याख्यान में बोलते डा. आनंद बल्लभ जोशी • सौ. यूओयू

www.jagran.com

राजधानी

स्मार्टफोन, लैपटाप का करना होगा सकारात्मक उपयोग : गुरमीत सिंह

वर्तमान में डिजिटल हस्तक्षेप अब छात्र सेवाओं के हर पहलू में है आवश्यक

दूरस्थ पर्वतीय क्षेत्रों को मिले तकनीकी का लाभ : राज्यपाल

समान नागरिक संहिता पर चर्चा

हल्द्वानी। यूओयू की ओर से समान नागरिक संहिता विषय पर जागरूकता के लिए ... आयोजन ... दीक्षित ने ... विभिन्न ... डाला।

बीएड छात्रों ने सेशन शुरू करने की मांग की

हल्द्वानी। उत्तराखंड मुक्त विश्वविद्यालय के बीएड विद्यार्थियों ने सेशन शुरू करने की मांग की है। उनका कहना है कि पिछले साल अक्तूबर में उनका विवि के बीएड पाठ्यक्रम में प्रवेश हुआ, लेकिन अब तक सत्र शुरू नहीं हो पाया है। इससे छात्र-छात्राओं में असमंजस की स्थिति बनी है। दूसरी तरफ बीएड विभागाध्यक्ष डॉ. डीगर सिंह ने बताया कि जुलाई से सत्र शुरू कराने की तैयारी की जा रही है। इस संबंध में प्रक्रिया गतिमान है। संवाद

Uttarakhand Open University
(Established by the Govt. of Uttarakhand vide Act No. 23 of 2005)
उत्तराखण्ड सरकार का एक मात्र मुक्त विश्वविद्यालय
University Road, Behind Transport Nagar
(Teen Pani Bypass), Haldwani -263139,Uttarakhand
Phone: 05946-286000, Fax : 05946-264232